1500 एकड़ की एयरोसिटी से उद्योग, रोजगार को लगेंगे पंख

वर्ल्ड क्लास कन्वेंशन सेंटर, सात सितारा होटल, रेस्टोरेंट, व्यावसायिक केंद्र बनेंगे

रहीमाबाद व गेहरू में एयरोसिटी बनाने के लिए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने की थी पैरवी

बंद औद्योगिक इकाइयों के दोबारा चालू होने की उम्मीद भी बढ़ी

लखनऊ। राजधानी में एयरोसिटी बनेगी। प्रदेश सरकार के बजट में इसके लिए प्रावधान किया गया है। यह 1500 एकड़ जमीन पर तैयार होगी। अमौसी एयरपोर्ट से 5.5 किमी दूर रहीमाबाद-गेहरू गांव की जमीन पर इसे बनाने का प्रस्ताव है। इसमें वर्ल्ड क्लास कन्वेंशन सेंटर, सात सितारा होटल, रेस्टोरेंट, व्यावसायिक केंद्र होंगे। एयरोसिटी बनने से नए उद्योग लगने की राह खुलेगी, जिससे रोजगार को भी पंख लगेंगे। एयरोसिटी विकसित होने से अमौसी, सरोजनीनगर और बनी में बंद पड़ीं औद्योगिक इकाइयों के दोबारा चालू होने की उम्मीद भी बढ़ी है। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने इसे रहीमाबाद और गेहरू गांव में धरातल पर उतारने की पैरवी की है। इस सिलसिले में उन्होंने 15 जनवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भी लिखा था। (माई सिटी रिपोर्टर)

उद्यमियों, व्यापारियों और पर्यटकों को होगी सहूलियत

दिल्ली की तर्ज पर बनने वाली एयरोसिटी से लखनऊ आने वाले व्यापारियों, उद्यमियों, पर्यटकों को हवाई यात्रा करने में आसानी होगी। यहां बनने वाले शानदार होटल, रेस्टोरेंट, मनोरंजन क्लब में व्यावसायिक कार्यों और छुट्टी मनाने आने वालों के लिए ठहरने के पसंदीदा विकल्प होंगे। जानकारी के मुताबिक इस एयरोसिटी के अंदर कई उच्च स्तर के ब्रांडों के उत्पादों की खरीदारी के केंद्र भी विकसित किए जाएंगे।

आसान होगी कनेक्टिविटी

- दिल्ली में एयरोसिटी बनने से शहर की कनेक्टिविटी बहुत सुलभ हो गई है। मेट्रो और सुव्यवस्थित सड़कों के माध्यम से एयरोसिटी को लखनऊ के अन्य हिस्सों से अच्छी कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। इससे यहां के स्थानीय लोगों और यात्रियों के लिए आसानी होगी।

बड़े स्तर पर हो सकेंगे सम्मेलन

- एयरोसिटी के कन्वेंशन सेंटर में बड़े स्तर पर सम्मेलन और प्रदर्शनियों के आयोजन हो सकेंगे। इसके अलावा व्यापारिक कार्यक्रम भी हो सकेंगे। इतना ही नहीं यहां आने वालों के खाने के लिए एयरोसिटी में कई बड़े रेस्त्रां भी खोले जाएंगे।

कुछ इस तरह की होगी राजधानी में बनने वाली एयरोसिटी। स्रोत : शासन

सालाना 10 लाख लोगों के आवागमन का अनुमान

विधायक राजेश्वर सिंह ने बताया कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से देश-विदेश से राम भक्तों, कारोबारियों, उद्यमियों का आवागमन बढ़ा है। अनुमान है कि अमौसी एयरपोर्ट से सालाना औसतन 10 लाख यात्रियों का आना-जाना अयोध्या सहित आस-पास के लिए होगा। ऐसे में अमौसी के पास एयरोसिटी बनने से आने वालों को काफी सहूलियतें मिलेंगी।

प्रस्तावित एयरोसिटी से प्रमुख स्थलों की दूरी

02 किमी पर आउटर रिंग रोड व किसान पथ

12 किमी पर लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे

7.5 किमी पर शहीद पथ

5.5 किमी पर अमौसी एयरपोर्ट

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे आपस में जोड़े जाएंगे

500 करोड़ से बनेगा लिंक एक्सप्रेसवे, तीन टाउनशिप की राह भी होगी आसान

लखनऊ। राजधानी में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे को आपस में जोड़ने के लिए 500 करोड़ से लिंक एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा। इससे पूर्वांचल के जिलों से आगरा और दिल्ली का आवागमन आसान होने के साथ आवास विकास की तीन नई टाउनशिप में रहने वालों को भी सहूलियत मिलेगी। आवास विकास परिषद मोहनलालगंज की 2763 हेक्टेयर जमीन पर किसान पथ, इंदिरा कैनाल एवं पूर्वांचल एक्सप्रेसवे टाउनशिप विकसित करने के लिए ले-आउट तैयार कर रहा है। आवास विकास ने इन तीनों टाउनशिप को आपस में जोड़ने के साथ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे को आपस में जोड़ने का प्रस्ताव बनाया है। इससे नई टाउनशिप की करीब 15 लाख आबादी का पूर्वांचल और दिल्ली की ओर आवागमन सुगम होगा। गाजीपुर-वाराणसी की ओर से आने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के बाद सीधे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर जा सकेंगे।

समय, ईंधन की होगी बचत

- अभी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से आने वालों को दिल्ली की ओर जाने के लिए एक्सप्रेसवे को छोड़ना पड़ता है। कई व्यस्त चौराहों और सड़कों से गुजर कर लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे तक पहुंचना पड़ता है। इससे वे जाम में फंसते हैं। लिहाजा काफी समय और ईंधन बर्बाद होता है। (माई सिटी रिपोर्टर)